भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में बिहार राज्य के सहायक कृषि अधिकारियों का क्षमता वृद्धि भ्रमण

दिनांक: 6 मई 2025 : कृषि प्रौद्योगिकी मूल्यांकन एवं स्थानांतरण केंद्र (CATAT), भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (ICAR-IARI), नई दिल्ली द्वारा 6 मई 2025 को बिहार सरकार के 98 सहायक निदेशकों (कृषि शास्त्र, कीट/रोग प्रबंधन एवं कृषि अभियांत्रिकी) के लिए एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को उन्नत कृषि अनुसंधान, एकीकृत कृषि प्रणाली और तकनीकी प्रसार की आधुनिक विधियों से अवगत कराना था।

कार्यक्रम की शुरुआत विभिन्न एकीकृत कृषि प्रणाली (IFS) मॉडलों के भ्रमण से हुई, जिनमें जलाशय आधारित एवं बारानी समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल, मशरूम उत्पादन इकाई और संरक्षित खेती (CPCT) शामिल थे। विशेषज्ञों द्वारा इन प्रदर्शनों के माध्यम से टिकाऊ और विविधीकृत कृषि पद्धतियों की जानकारी दी गई। इसके उपरांत प्रतिभागियों ने कृषि अभियांत्रिकी प्रभाग की कार्यशाला का दौरा किया, जहाँ कृषि यंत्रीकरण पर सत्र एवं वैज्ञानिकों के साथ चर्चा की गई।

अपराह्न में संस्थान के जल प्रौद्योगिकी केंद्र सभागार औपचारिक शैक्षणित सत्र आयोजित किया गया, जिसके मुख्य अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. सी.एच. श्रीनिवास राव थे। कार्यक्रम के संयोजक और संयुक्त निदेशक (प्रसार), डॉ. आर. एन. पडारिया द्वारा निदेशक का स्वागत और अभिनंदन किया गया। अपने संबोधन में डॉ. श्रीनिवास राव ने अनुसंधान-आधारित नवाचारों के महत्व को रेखांकित किया जो देश एवं विशेषकर बिहार राज्य में वर्तमान कृषि चुनौतियों का समाधान प्रदान कर सकते हैं।

इसके पश्चात तकनीकी सत्र का आयोजन हुआ, जिसमें डॉ. पी.एस. ब्रह्मानंद (परियोजना निदेशक, जल प्रौद्योगिकी केंद्र), डॉ. एस.एस. राठौर (अध्यक्ष, सस्य विज्ञान संभाग), डॉ. अनिल सिरोही (प्राध्यापक, सूत्रकृमि संभाग), डॉ. एस. सुब्रमणियन (प्राध्यापक, कीटविज्ञान संभाग) एवं डॉ. विष्णु माया (वरिष्ठ वैज्ञानिक, पादप रोगविज्ञान संभाग) द्वारा उन्नत कृषि तकनीकों और स्थानीय अनुप्रयोगों पर व्याख्यान दिए गए।

कार्यक्रम का समापन बीज उत्पादन इकाई (SPU) के भ्रमण और "पूसा कृषि हाट" के दौरे से हुआ, जहाँ प्रतिभागियों को कृषि व्यवसाय संवर्धन और प्रौद्योगिकी व्यवसायीकरण की पहलुओं से परिचित कराया गया। यह कार्यक्रम बिहार राज्य के कृषि अधिकारियों की क्षमता निर्माण को सशक्त बनाते हुए अनुसंधान और विस्तार के मध्य सेतु के रूप में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

पडारिया
सीएच. श्रीनिवास राव

सुस्वागतम
सभा भवन
जल प्रौद्योगिकी केन्द्र

Capacity Building of Bihar State Agricultural Officers to ICAR-IARI: A Focus on Research and Technology Transfer

May 6, 2025. Centre for Agricultural Technology Assessment and Transfer (CATAT), ICAR–Indian Agricultural Research Institute (ICAR-IARI), New Delhi, organized an orientation programme for 98 Assistant Directors from the Government of Bihar, representing Agronomy, Plant Protection, and Agricultural Engineering. The visit aimed to enhance participants' exposure to cutting-edge agricultural research, integrated farming systems, and technology dissemination.
The programme began with field visits to Integrated Farming System (IFS) models, including pond-based and rainfed systems, the mushroom unit, and protected cultivation facilities at the Centre for Protected Cultivation Technology (CPCT). These demonstrations, led by subject-matter experts, emphasized sustainable and diversified farming practices. The delegates also visited the farm machinery workshop in the Division of Agricultural Engineering, where interactive sessions on mechanization technologies were conducted.

The formal orientation session, held at the WTC Auditorium. The Chief Guest of the programme was Dr. Ch. Srinivasa Rao, Director of ICAR-IARI. He was felicitated by Dr. R.N. Padaria, Joint Director (Extension) delivered the welcome address. Dr. Ch. Srinivasa Rao addressed the significance of research-based innovation in addressing contemporary agricultural challenges.
A technical session followed, with expert presentations from Dr. P.S. Brahamanand (PD, WTC), Dr. S.S. Rathore (Head of Agronomy), Dr. Anil Sirohi (Professor of Nematology), Dr. S. Subramanian (Professor of Entomology), and Dr. Bishnu Maya (Senior Scientist, Plant Pathology), who highlighted recent advancements and their field-level applications. These discussions aimed to strengthen the research-extension interface.

The visit concluded with an exposure to seed production technologies at the Seed Production Unit and a tour of Pusa Krishi Haat, focusing on agri-business and technology transfer. The programme effectively bridged scientific knowledge and field practice, fostering capacity building among state-level agricultural officers.

लघु कृषकों के लिए समन्वित कृषि प्रणाली
INTEGRATED FARMING SYSTEM MODEL FOR SMALL FARM

Mushroom Production Unit
Division of Agronomy
ICAR- Indian Agricultural Research Institute, New Delhi - 110 012